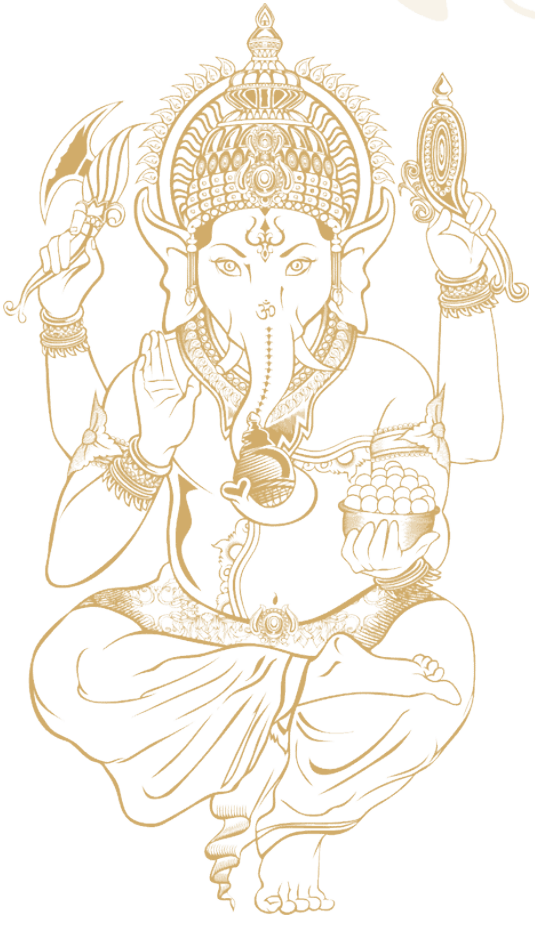

Hariom

08 Jan 1985

06:10 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 120897802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/01/1985**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**06:10:00 घंटे**
इष्ट	57:22:09 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:43:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:15 घंटे
साम्पातिक काल	12:53:56 घंटे
सूर्योदय	07:13:08 घंटे
सूर्यास्त	17:51:50 घंटे
दिनमान	10:38:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:02:03 धनु
लग्न के अंश	07:56:10 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	07:56:10	333:33:22	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
सूर्य			धनु	24:02:03	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	05:53:35	13:51:06	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			कुंभ	16:51:39	00:45:46	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			धनु	01:40:03	01:11:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	धनु	29:27:00	00:14:01	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	10:30:11	01:05:40	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	01:43:47	00:05:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	02:35:42	00:09:09	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:35:42	00:09:09	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	22:06:46	00:03:15	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
नेप			धनु	08:06:07	00:02:12	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	10:51:06	00:01:02	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कन्या	21:00:05	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:39

लग्न-चलित

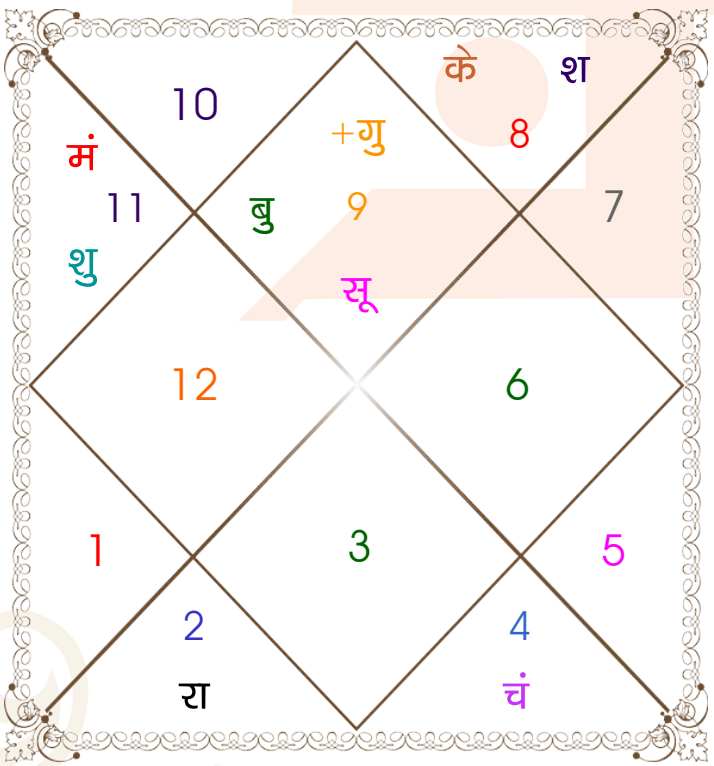

चन्द्र कुंडली

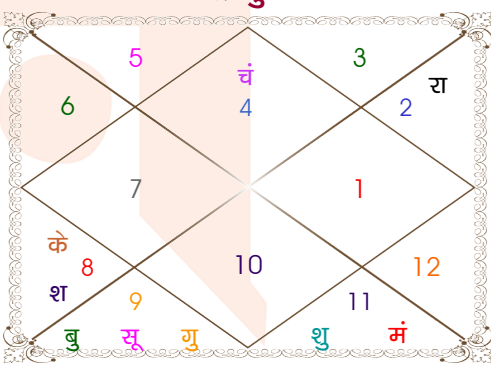

नवमांश कुंडली

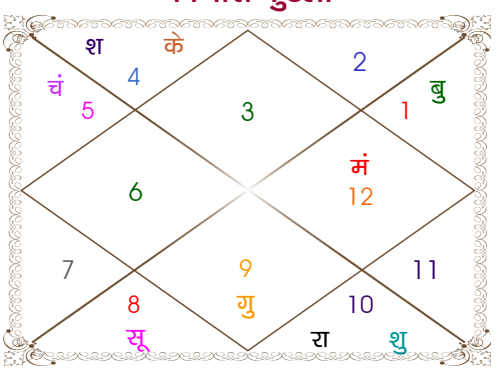

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 4 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/01/1985		16/05/2000		16/05/2017		16/05/2024		16/05/2044	
16/05/2000		16/05/2017		16/05/2024		16/05/2044		17/05/2050	
	08/01/1985	बुध	13/10/2002	केतु	13/10/2017	शुक्र	16/09/2027	सूर्य	03/09/2044
बुध	27/01/1987	केतु	10/10/2003	शुक्र	13/12/2018	सूर्य	15/09/2028	चंद्र	04/03/2045
केतु	07/03/1988	शुक्र	10/08/2006	सूर्य	20/04/2019	चंद्र	17/05/2030	मंगल	10/07/2045
शुक्र	08/05/1991	सूर्य	16/06/2007	चंद्र	19/11/2019	मंगल	17/07/2031	राहु	04/06/2046
सूर्य	19/04/1992	चंद्र	15/11/2008	मंगल	16/04/2020	राहु	17/07/2034	गुरु	23/03/2047
चंद्र	18/11/1993	मंगल	12/11/2009	राहु	04/05/2021	गुरु	17/03/2037	शनि	04/03/2048
मंगल	28/12/1994	राहु	31/05/2012	गुरु	10/04/2022	शनि	16/05/2040	बुध	09/01/2049
राहु	03/11/1997	गुरु	06/09/2014	शनि	20/05/2023	बुध	17/03/2043	केतु	16/05/2049
गुरु	16/05/2000	शनि	16/05/2017	बुध	16/05/2024	केतु	16/05/2044	शुक्र	17/05/2050

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/05/2050		16/05/2060		17/05/2067		16/05/2085		17/05/2101	
16/05/2060		17/05/2067		16/05/2085		17/05/2101		00/00/0000	
चंद्र	17/03/2051	मंगल	12/10/2060	राहु	27/01/2070	गुरु	05/07/2087	शनि	20/05/2104
मंगल	16/10/2051	राहु	31/10/2061	गुरु	22/06/2072	शनि	15/01/2090	बुध	09/01/2105
राहु	16/04/2053	गुरु	07/10/2062	शनि	29/04/2075	बुध	22/04/2092		00/00/0000
गुरु	16/08/2054	शनि	16/11/2063	बुध	15/11/2077	केतु	29/03/2093		00/00/0000
शनि	16/03/2056	बुध	12/11/2064	केतु	04/12/2078	शुक्र	28/11/2095		00/00/0000
बुध	16/08/2057	केतु	10/04/2065	शुक्र	03/12/2081	सूर्य	15/09/2096		00/00/0000
केतु	17/03/2058	शुक्र	10/06/2066	सूर्य	28/10/2082	चंद्र	15/01/2098		00/00/0000
शुक्र	16/11/2059	सूर्य	16/10/2066	चंद्र	28/04/2084	मंगल	22/12/2098		00/00/0000
सूर्य	16/05/2060	चंद्र	17/05/2067	मंगल	16/05/2085	राहु	17/05/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ्य एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाले प्राणी है। निःसंदेह एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुए हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्चा व्यक्ति हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपकों मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होते क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छा व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकता है। आप स्वास्थ्य के दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगे। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षो के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सत्तर्क रहे।

यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सर्त्तकता नहीं बरते तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा। आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्यय कर सकते हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकते हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन की क्षमता प्राप्त करेंगे। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगे। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आए तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकते है। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगे। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाते हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करते हो। आप इस प्रकार की वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखे।

आपके व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत

उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली है। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल है।